

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। वैश्वक बाजार में लगभग दो सप्ताह से गिर रही कच्चे तेल की कीमतों के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम गुरुवार को भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.46 प्रतिशत पिछकर 88.91 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड भी 0.41 प्रतिशत के दबाव से 81.81 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल



96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पिछले चार वर्षिंग कर (वैट) और माल महाने से इधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत समीक्षा की जाती है।

अंबुजा सीमेंट्स ने कर्ज के लिए एसीसी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी गिरवी रखी

नयी दिल्ली। अडाणी समूह के नियंत्रण वाली अंबुजा सीमेंट्स ने अपनी अनुपयोगी एसीसी एसीसीटेंट्ड में क्रूड के लिए अपनी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी गिरवी रखी है। अंबुजा सीमेंट्स ने बुधवार को शेयर बाजार को भेजी सुन्ना में कहा कंपनी ने 26 सितंबर, 2022 को एसीसी लिमिटेड में अपने कुल 9.39 करोड़ इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (ईटीआईएल) के जरूरी अंबुजा और एसीसी दोनों कंपनियों का अधिकारण किया है। ईटीआईएल दरअसल एक्सेंट ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (एसटीआईएल) के स्वामित्व वाली कंपनी है। अडाणी समूह ने पिछले सप्ताह कहा था कि उसने अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी में अपनी पूरी हिस्सेदारी 13 अरब डॉलर की गिरवी रख दी है।

आईएसडी इंटरनेट कॉल को भेजने वाले 30 एक्सचेंजों का भंडाफोड़

नयी दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने ऐसे 30 एक्सचेंजों का भंडाफोड़ किया है जो इंटरनेट के माध्यम से आने वाले आईएसडी कॉल को घरेलू स्तर पर मोबाइल या वायरलाइन ग्राहकों तक पहुंचा रहे थे। दूरसंचार विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि पिछले चार महीने में इस तरह के 30 एक्सचेंजों का पता चला है जो इंटरनेट से आने वाले आईएसडी कॉल को घरेलू स्तर पर मोबाइल या लैंडलाइन का उपयोग किया जाता है। इसमें विदेशी कॉल के लिए इंटरनेट का उपयोग किया जाता है और फिर घरेलू स्तर पर मोबाइल या लैंडलाइन का उपयोग किया जाता है। इस तरह के अवैध एक्सचेंज न सिर्फ सुरक्षा के लिए खतरा है बल्कि इससे सकरात् को राजसव का भी नुकसान होता है। दूरसंचार विभाग ने लोगों से इस तरह के अवैध एक्सचेंजों के कॉल से बचने की अपील की है। इस तरह के कॉल मिलने पर शिकायत करने के लिए कॉल नंबर जारी किया गया है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा शुद्धि-पत्र

ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा के द्वारा ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-RDD/SD/CHATRA/05/2022-23 जिसका PR No.-276576 (Rural Development) 22-23 (D) के द्वारा प्रकाशित निविदा में भाग लेने हेतु कंडिका क्रमांक 02 में निविदा प्रकाशन की तिथि 05.09.2022 के स्थान पर 06.10.2022 एवं कंडिका क्रमांक 03 में निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 12.09.2022 के स्थान पर दिनांक-13.10.2022 एवं कंडिका क्रमांक 04 में निविदा शुल्क, अग्रधन की राशि एवं Affidavit जमा करने की अंतिम तिथि 13.09.2022 के स्थान पर 14.10.2022 तथा निविदा खुलने की तिथि 14.09.2022 के स्थान पर 17.10.2022 पढ़ा जाय। निविदा की शेष शर्त पूर्वप्रत रही है।

निविदा की शेष शर्त पूर्वप्रत रही है।

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा।

PR.NO.278892 Rural Development(22-23):D

NETARHAT RESIDENTIAL SCHOOL NETARHAT P.O- NETARHAT, DISTRICT- LATEHAR (An Autonomous Institution under School Education & Literacy Deaprt., Govt. of Jharkhand)

NOTICE INVITING TENDER

Enquiry No- 1705 Dated- 29-09-2022
Sealed tenders are invited from Netarhat Residential School, Netarhat from Manufacturers, Companies, Authorized Distributors, Dealers and reputed firms having relevant experience under two bid system i.e. Technical Bid & Financial Bid for Supply, Installation and Furnishing of newly renovated Ashrams with Furniture with necessary fittings at Netarhat Residential School situated at Netarhat, District-Latehar.

1. Name of the Tender	Supply, Installation and Furnishing of newly renovated Ashrams with Furniture with necessary fittings at Netarhat Residential School at Netarhat-835218, District- Latehar, Jharkhand
2. Scope of Work	Supply, Installation and Furnishing of newly renovated Ashrams with Furniture with necessary fittings at Netarhat Residential School at Netarhat-835218, District- Latehar, Jharkhand
3. Name and Address of the Office Inviting Tender	Principal, Netarhat Residential School, Netarhat, P.O- Netarhat, District- Latehar
4. Date of Publication of Tender on Website	29.09.2022 at 1 P.M.
5. Last Date and Time for receipt of Bids	21.10.2022 at 2.30 P.M
6. Date of Opening of the Tender	22.10.2022 at 11:30 A.M (Technical Bid) 25.10.2022 at 11:30 P.M (Financial bid of only those firms who are found eligible in technical bids)
7. Contact Persons with Details	1. Dr. Santosh Kumar Singh (Principal) Official Contact No- 6201750198 Email id- principal.netarhat@gmail.com

Complete details could be seen on our school's website www.netarhatvidyalaya.com
Sd/- (Santosh kr. Singh)
Principal
Netarhat Residential School Netarhat
PR 278919 (Human Resource Development)22-23:D

Office of the Nagar Parishad, Lohardaga

Notice Inviting Short Tender

e-Tender Reference No. 08/2022-23

Date- 29-09-2022

S. No.	Gr. No.	Name of the Work	Approx Value of work (in Rs.)	Earnest Money (in Rs.)	Cost of Bid Document by DD (Rs.) (non refundable)	Period of completion
1	1	Development and Beautification of Toilet block, Sankh River, Lohardaga	3331127.00	66,650.00	10000.00	180 Days
2	2	Development and Beautification of Toilet block, Court Compound, Lohardaga	3323475.00	66,500.00	10000.00	180 Days
3	3	Development and Beautification of Toilet block, Maina Bagicha, Lohardaga	3323958.00	66,500.00	10000.00	180 Days
4	4	Development and Beautification of Toilet block, Kachahar more, Lohardaga	3255872.00	65,200.00	10000.00	180 Days

Note: Updated estimated cost should be considered for earnest Money.

Sl. No.	Procurement Officer	date of tender publish on website	Last date for submission of tender fee and earnest money.	Availability of tender on line for bidding	Place, Date & time of opening bid.	
A	B	C	D	E	F	G
1.	Executive officer Nagar Parishad, Lohardaga	06-10-2022 Time 10:30 AM	N.P. Lohardaga 21-10-2022 up to 3:00 P.M.	Bid downloading Date-06-10-2022 Time 11:00 A.M To Date 20-10-2022 Time 5:00 P.M.	Bid submission Date-06-10-2022 AM 28-10-2022 up to 3:00 P.M.	N.P. Lohardaga Date 29-10-2022 Time 03:30 P.M.

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

PR 278963 Lohardaga (22-23)_D

Further details can be seen on website <http://Jharkhandtenders.gov.in>

Executive Officer
Nagar Parishad, Lohardaga

सम्पादक की कलम से...

सरकार की पहल सदाहनीय

तुबेद कोयला खान परियोजना, लातेहार के विस्थापितों के लिए सरकार ने पहल की है। उनके लिये पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन कॉलोनी बसायी जायेगी। इसके लिए नावाड़ी हंगां में 10.32 एकड़ जमीन पर काम होगा। लातेहार डीसी कार्यालय की ओर से जारी अधिघोषणा के मुताबिक नावाड़ी हंगां के रैयती जमीन पर कॉलोनी का निर्माण करने की योजना है। ऐसे में एक आबादी को कॉलोनी मिल जाने से उनकी बहुत बड़ी समस्या का समाधान होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार चिह्नित जमीन (10.32 एकड़) के लिए हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियां सुनी जा चुकी हैं। इस जमीन के लिए भूमि योजना का निरीक्षण जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, लातेहार के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस के दिन किया जा सकता है। दामोदर घाटी निगम, कोलकाता ने तुबेद कोयला खान प्रोजेक्ट, लातेहार के लिए पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन नीति के संबंध में सूचना जारी कर दी है। इसमें नीति के उद्देश्य, इसकी परिभाषा, विस्थापित परिवार, भूमि और अचल संपत्ति के लिए मुआवजा, परियोजना प्रभावित परिवारों के लिए अनुमान्य पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन, पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र में अवसंरचनात्मक सुविधाएं, क्रियान्वयन एवं निगरानी समेत अन्य बिंदुओं पर अपनी ओर से जानकारी स्पष्ट की है। इसके साथ ही पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन नीति की प्रति नेवाड़ी एवं डिही पंचायत कार्यालय एवं दामोदर घाटी निगम तुबेद कोयला खान कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है। साथ ही इसे

अशोक गहलोत के पार्टी अध्यक्ष बनने की मंशा के बावजूद हमने यहीं देखा कि कांग्रेस के विधायक दल की बैठक तक नहीं हो सकी। यह कांग्रेस के इतिहास में एक अटप्पी घटना है। यहां तक निपछले साल जब पंजाब में राजनीतिक उठापटक शुरू हुई औ तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को कुरसी से बेदखल किया गया था, तब भी विधायकों की बैठक हुई थी, जबकि यह भी तय था कि अमरिंदर सिंह को अशोक गहलोत की तरह कोई दूसरा पद नहीं मिल वाला। स्पष्ट है, ताजा घटनाक्रम से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का झक्काल पूरी तरह से बिखर गया है। उसके यह योजना भी अधर में लटक गया है कि राज्य की सत्ता एक नौजवान नेता को सौंपकर फिर से चुनाव जीतने की तरफ कदम बढ़ाया जाए।

रा जस्थान के बदलते घटनाक्रम ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं। ऐसा लगता है कि पार्टी हर कुछ वक्त के बाद एक नई चुनौती से घिर जाती है और उसके लिए असहज स्थिति पैदा हो जाती है। काफी विचार-विर्माश के बाद कांग्रेस हाईकमान ने एक ऐसी रणनीति बनाई थी, जिससे लग रहा था कि पार्टी की अंदरूनी राजनीति में अब ठहराव आ जायेगा और 2024 के चुनाव तक उसकी स्थिति कुछ बेहतर हो जायेगी। इसी रणनीति के तहत राहुल गांधी ने खुद को कांग्रेस अध्यक्ष पद से दूर कर लिया था और 'भारत जोड़ो यात्रा' की राह पकड़ ली थी। माना यह गया था कि सत्तारूढ़ भाजपा गठबंधन वाली सरकार के खिलाफ यदि देश में माहौल बनता है, तो बौतर विकल्प लोग कांग्रेस को चुनेंगे। इसी क्रम में राजस्थान की अंदरूनी उठापटक का हल निकालने के लिए बौतर

लोत का नाम आगे बढ़ाया गया और उनकी जगह पार्टी कमान ने युवा नेता सचिन ललट को राज्य की कमान देने की नीति बनाई थी। पायलट न सिर्फ 14 से 2018 तक पार्टी के प्रदेश व्यक्त रहे हैं, बल्कि साल 2018 राज्य विधानसभा चुनाव में दोनों खासा मेहनत भी की थी। हाँ, अलग बात है कि विधानसभा चुनाव के बाद जब मुख्यमंत्री के नाम का वक्त आया, तो अंद्रसुनी राजनीति के बाद अशोक गहलोत के नाम तज सजा। विरोधस्वरूप वन पायलट ने बगावती सुर भी नानाये थे। राजस्थान में चेहरा बदलने के पीछे कांग्रेस की एक राजनीतिक सोच भी है। का यह मानना है कि नवंबर-नवंबर, 2023 में जब राज्य विधानसभा के चुनाव होंगे, तब अशोक गहलोत के नेतृत्व में पार्टी बढ़ ही फिर से सत्ता तक पहुंच सचिन पायलट को राज्य विधानसभा बेहतर होगा। मगर बाद में जो हुआ, वह पार्टी के लिए बहुत चौंका देने वाला घटनाक्रम है अशोक गहलोत के पार्टी अध्यक्ष बनने की मंशा के बावजूद हम यही देखा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक तक नहीं हो सकी। यह कांग्रेस के इतिहास में एक अटपटा घटना है। यहां तक कि पिछले साल जब पंजाब में राजनीतिक उठापट शुरू हुई और तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को कुरसी से बेदखल किया गया था, तब भी विधायकों वाली बैठक हुई थी, जबकि यह भी तथा कि अमरिंदर सिंह को अशोक गहलोत की तरह कोई दूसरा पद नहीं मिलने वाला। स्पष्ट है, तज घटनाक्रम से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का इकबाल पूरी तरह से बिखर गया है। उसकी यह योजना भी अधर लटक गई है कि राज्य की सत्ता एक नौजवान नेता को सौंपकर फिर

जाए। अब नजर इसी बात पर है कि क्या अशोक गहलोत कांग्रेस हाईकमान की उम्मीद पर खरा उत्तरते हुए राजस्थान की राजनीति से अलग होने और उत्तराधिकार चयन में अपना दखल न देने को तैयार हो पायेंगे? इसके लिए काफी कम समय बचा है, लेकिन जिस तरह से वरिष्ठ नेता मार्पिट अल्वा ने वरिष्ठ नेताओं को अपने आचरण में सुधार लाने को लेकर तत्त्व टिप्पणी की है, उससे तो यही लगता है कि कांग्रेस हाईकमान अशोक गहलोत से क्षुब्धि है। यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में नैतिक साहस की कमी की ओर भी इशारा करता है, जिसकी वजह पार्टी की चुनावी हार है। अगर यही घटना हीदरा गांधी या राजीव गांधी के दौर में होती, तो वे चाहे सत्ता में होते या नहीं, मगर हाईकमान के इकबाल के लिए तकाल सख्त फैसला लेते। ममकिन है कि कांग्रेस

■ सशीद किंदवई

पूरे विश्व में एकात्म मानववाद

भा रत्नाय सस्कृतों में एकात्म सभी जगह पर दिखाई दी है और अनकृत दर्शन में एकता भी भारतीय संस्कृति का ही विचार है। परमात्मा के विरासती देते हैं। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय का जन्म दिनांक 25 सितम्बर 1911 को नगला चंद्रभान गांव उत्तर प्रदेश में हुआ था। आपके पिता का नाम श्री भगवतीप्रसाद जी उपाध्याय एवं माता का नाम श्रीमती रामप्यारी उपाध्याय था। बचपन के साथ-साथ आपका पूर्ण जीवन ही बहुत संर्वामय रहा था। आपकी आयु जब मात्र दो वर्ष की थी, तब वर्ष 2018 में, आपके पिता इन दुनिया से चल बसे थे। इन परिस्थितियों के बीच आपका पालन पोषण आपके नानाजी के घर पर हुआ। परंतु, कुछ समय पश्चात ही आपकी माताजी का भी देहांत हो गया और जब आपकी आयु मात्र 10 वर्ष की थी तब आपके नानाजी भी चल बसे। इस प्रकार आपने बहुत छोटी सी आयु में ही अपने पूरे परिवार को खो दिया था। अब आपको अपने भाई शिवदयाल जी का ही एक मात्र सहारा था। दोनों भाई अपने मामाजी के साथ रहने लगे। श्री दीनदयालजी जी अपने भाई से बहुत प्यार करते थे औं आपने अपने भाई को सदैव एक अधिभावक के रूप में देखा। परंतु, नियर्थी को शायद कुछ और ही मंजूर था, तथा वर्ष 1934 में आपके भाई की मृत्यु हो गई। अब आपके साथ अपने परिवार का एक भी सदस्य नहीं बच था। फिर भी आपने अपने जीवन में कभी भी अपनी जिन्दगी से हार नहीं मानी और जैसे इस पूरे देश को ही आपने अपना परिवार मान लिया था।

इन विपरीत पारंपरास्थात्यों के बाच आपन अपना पढ़ाइ पर बिल्कुल भी आचर्षक नहीं आने दी एवं आपने वर्ष 1936 में बीए स्नातक की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। बाद में, आपने एमए की परीक्षा भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। शिक्षा पूर्ण करने के तुरंत बाद ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गये। आप आजीवन संघ के प्रचारक रहे। आप मात्र 51 वर्ष की अल्पायु में दिनांक 11 फरवरी 1968 को इस दुनिया को छोड़कर चले गये। आपने अपने जीवनकाल में कई कृतियों की रचना की थीं, जिनमें शामिल हैं—
 एकात्म मानवाद, भारतीय अर्थनीति का अवमूल्यन, जगदुरु शंकराचार्यवाच, सप्तांश चन्द्रमाप, राष्ट्र जीवन की दिशा, दो योजनाएं, राजनीतिक डायरी आदि। आपके बाल जीवन के कुछ प्रसंग सुनकर आपकी संवेदनाओं वे बारे में स्पष्ट जानकारी मिलती है। एक बार आप आगरा में अपने नाना जर्ज के साथ सब्जी खरीदने हेतु मंडी में गये एवं गलती से एक खोटा सिक्का संबंधी वाली माताजी को दे दिया। घर आकर जब उन्हें यह बात ध्यान में आई तो वे तुरंत उस सब्जी वाली माताजी के पास गये एवं उस माताजी वे मना करने के बाबजूद आपने उसकी रेजागारी में से खोटा सिक्का ढूँढकर उनको अच्छा सिक्का देकर घर वापिस आए और तब जाकर आपका संतोष हुआ। इसी प्रकार, एक बार आप पूजनीय श्री गुरु गोलवलकर जर्ज के साथ यात्रा कर रहे थे। श्री गुरुजी दूसरी श्रेणी के डिब्बे में थे और श्रेणी उपाध्याय जी तृतीय श्रेणी के डिब्बे में थे।

■ प्रह्लाद सबनानी

अर्थव्यवस्था में मंदी का आहट

इसमें कहा गया है कि दुनिया भर के कद्राय बैंक जिस तरह से अपनी प्रमुख व्याज दरें बढ़ा रहे हैं, उससे अर्थव्यवस्था में सुस्ती बढ़ती जा रही है और यह सुस्ती 2023 में मंदी का रूप अखिलायर कर लेगी। एप्ट में कहा गया है कि वैश्वक अर्थव्यवस्था में इस तरह की सुस्ती 1970 के बाद पहली बार देखी जा रही है। महंगाई और बेरोजगारी की लंबी चिंचवी परिस्थिति जिस परिणाम में बदल सकती है, अर्थव्यवस्था में उसके संकेत दिखाई देने लगे हैं। यह संकेत उनके लिए डरावना है, जिनके जेब खाली हैं और हाथों में काम नहीं है। यह संकेत उनके लिए चेतावनी है, जिनके बटुए फिलहाल तो भरे हैं, मगर खाली होने का खतरा है। यह संकेत उस तंत्र के लिए भी चेतावनी है, जो कमोबेश इस परिस्थिति के लिए जिम्मेदार है, मगर जवादेही से बचता रहा है। वैश्वक आर्थिक हालात और घरेलू परिस्थितियों के महेनजर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा काप (आईएमएफ) और विश्व बैंक सहित सभी रेटिंग एजर्सियों ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत के जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) बढ़िया दर के अनुमान घटा दिये हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने 7.5 फीसद के अपने अनुमान को घटा कर 6.8 फीसद कर दिया, सिटी बैंक ने आठ फीसद को 6.7 फीसद, गोल्डमैन सैक्स ने 7.2 फीसद को सात फीसद, फिच ने 7.8 फीसद को सात फीसद, मूँडीज ने 8.8 फीसद को 7.7 फीसद, इंडिया रेटिंग्स ने सात फीसद को 6.9 फीसद, आईएमएफ ने 8.2 फीसद को 7.4 फीसद और विश्व बैंक ने आठ फीसद के अनुमान को घटा कर 7.5 फीसद कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीडीपी बढ़िया दर के अनुमान को भले ही 7.2

फासद पर बरकरार रखा है, लाकन वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही की दर उसके अनुमान को बेमानी साबित करती है आरबीआई ने पहली तिमाही के लिए 16.2 फीसद वृद्धि दर का अनुमान लगाया था, लेकिं 13.5 फीसद से ही संतोष करना पड़ा। जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट का सीधा अर्थ होता है कि आर्थिक गतिविधियां सुस्त हो रही हैं। आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती बेरोजगारी बढ़ती है बेरोजगारी से कमाई घटती है। कमाई खरीदारी पर असर डालती है और बाजार में मांग घट जाती है। फिर उत्पादन घटाना पड़ता है और बेरोजगारी बढ़ जाती है। कमाई, खपत, मांग और उत्पादन में गिरावट का चक्र लंबे समय तक टिका रहा तो यह दुश्क्र में बदल जाता है अर्थसात् की भाषा में इसे ही मंदी कहते हैं मंदी में जीडीपी वृद्धि दर बढ़ने के बजाय घटने लगती है। लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी वृद्धि दर घट गई तो तकनीकी तौर पर मंदी मान लंबा जाता है। भारत में फिलहाल यह स्थिति नहीं है लेकिन वर्तमान आर्थिक चुनौतियां भविष्य वे संकेत दे रही हैं। विश्व बैंक ने अपनी एक ताज रपट में 2023 में भयानक वैश्विक मंदी की बाबा कही है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर वे केंद्रीय बैंक जिस तरह से अपनी प्रमुख व्याज दरें बढ़ा रखे हैं, उससे अर्थव्यवस्था में सुर्त बढ़ती जा रही है और यह सुस्ती 2023 में मर्दान का रूप अखिलयार कर लेगी। रपट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में इस तरह कई सुर्ती 1970 के बाद पहली बार देखी जा रही है। अमेरिका, यूरोप और चीन जैसी दुनिया कई तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भयानक समस्ती है। आगे यह दसरी विकासशील

अथव्यवस्था आ का भा चपट म ल लगा
अमेरिका और ब्रिटेन में महंगाई दर चालीस साल
के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच चुकी है। केंद्रीय बैंक
इसी महंगाई को नियंत्रित करने व्याज दर बढ़ा
जा रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व लगातार तीन
बार व्याज दर बढ़ा चुका है। यह सिलसिला आगे
भी जारी रहने वाला है। साल के अंत तक फेडरल
की व्याज दर 4.4 फीसद तक पहुंचने का
अनुमान है। फेडरल रिजर्व की व्याज दर वृद्धि
महंगाई नियंत्रण में तो बेअसर दिखती है। लेकिन
डालर की मजबूती में इसका असर स्पष्ट है। डालर
डालर नित नई ऊर्चाई छू रहा है। भारतीय रुपये
उसी रफ्तार से नीचे गिर रहा है। डालर वे
मुकाबले रुपया 81 के स्तर से भी नीचे लुढ़का
चुका है। रुपए को संभालने आरबीआई भी व्याज
दर बढ़ा रहा है। मई 2022 से अब तक तीन बार
में 1.40 फीसद वृद्धि की जा चुकी है। इस महीने
होने वाली समीक्षा बैठक में 50 आधार अंकों का
अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है। रेपो दर बढ़ाने वे
पीछे का जाहिर मकसद बाजार में तरलता घट
कर मांग को नीचे लाना होता है, ताकि महंगाई
नीचे आ जाए। लेकिन महंगाई घटाने का यह
फार्मूला तब कारगर होता है, जब बाजार में मांग
ज्यादा हो। भारत में या पूरी दुनिया में मौजूदा
महंगाई मांग के कारण नहीं, बाधित आपूर्ति वे
कारण है। भारत में महंगाई, बेरोजगारी व
दीर्घकालिक परिस्थिति के कारण मांग पहले से
सतह पर है। इससे ज्यादा मांग घट नहीं सकती।
घटेगी तो दृश्य वीभत्स होगा। अस्थिर अर्थव्यवस्था
वातावरण में व्याज दर वृद्धि के जरिये विदेशी
निवेश आकर्षित करना और उसे टिकाये रखना
चलनी में पानी रोकने के समान है।

■ सराज कुमा

संपादक के नाम पाठकों की पाती 21वीं सदी का युग

प हले शहर से लेकर गांवों में कुआं व नदी घाट पर लोग नहाने-धोने का काम किया जाता था। आधुनिक जीवन शैली ने लोगों के कमरे-बंद होकर खान व कपड़ा धोने को मजबूर कर दिया है। आज लगभग सभी पक्ष मकानों में पानी टंकी छत पर रिक्याई देती है। इससे लोगों को तस्वीर दिया जाता है। इसका असर धीरे-धीरे ऐसा हुआ कि आज जल स्तर काफी नीचा चला गया है। कुओं को शहरों में अनुपयोगी मानकर उसे ढक दिया गया है। साथ ही वहां पर दुकानें बना दी गई है। बुनियादी रूप से हम अपने समस्याओं के खुद ही पैदा करने वाले हैं। ऐसे में हमें वापस उन्हीं दौर में लौटना होगा जब एक कुएं व चापानल से लगभग पूरा मुहळा स्नान कर लेता था और घर के काम के लिए एक या दो बाल्टी पानी ढोकर अपने घर ले जाया करता था। आधुनिकता के लाभ ने हमें इन सब के बारे में विचार करने का मौका ही नहीं दिया। आज हालत है कि लोग पानी संकट से जूझ रहे हैं। साथ ही प्राकृतिक प्रदत्त सुविधाएं कम होती जा रही हैं। पेड़ों पौधों को काटकर हम कूलर व एयर कंडीशन की हवा खा रहे हैं। सख्त बात यह है कि गांव के पीपल की छांव में बैठकर जो शांति व सकून मिलता था वह एक कमरे में बैठकर कलर एयरकंडीशन में नहीं मिलती है।

■ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕਾਮਾ ਸਹੀਤਾਂਤ ਸੇਵਿਤਾਂ

जहां माध्याह भोजन से पहले नाश्ता भी कर रहे हैं बच्चे

आ प सुबह किसी का कैसे अभिवादन करते हैं? आप इस सवाल को गूगल कर सकते हैं और दुनिया भर में जवाब की प्रवृत्ति कमोबेश एक ही जैसी मिलेगी। हालांकि, अब तमिलनाडु में एक बदलाव आया है। सामान्य अभिवादन के बाद अब अपतौर पर यह सवाल पूछा जाने लगा है, 'क्या आपने नाश्ता कर दिया है?' यह एक विश्वास है कि किसी व्यक्ति की भलाई उसके भोजन से शुरू होती है। यह हमारी संस्कृति में निहित है और इसलिए यह अचरण की बात नहीं है कि तमिलनाडु ने स्कूलों में मुफ्त दोपहर भोजन योजना को अब नाश्ते तक बढ़ा दिया है। पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने चेन्नई से 460 किलोमीटर दूर मर्दिरों के शहर मटुरै में निगम द्वारा संचालित प्राथमिक स्कूल में बच्चों के साथ खिचड़ी खाकर तमिलनाडु मुख्यमंत्री नाश्ता योजना की शुरूआत की। इससे अकेले इस शहर में 1.15 लाख बच्चों को लाभ पहुंचने की संभावना है। गौर कीजिये, तमिलनाडु में इस योजना की शुरूआत के 102 वर्ष बाद यह मौका आया है। 1920 में मटुरै के तत्कालीन महापौर पी थेयरी शेट्टी ने स्कूल टिफिन योजना शुरू की थी। महापौर ने कक्षाओं में प्रवेश बढ़ाने के लिए ऐसा किया था। परिणाम आश्वर्यजनक रहे थे। हालांकि, दो साल बाद अग्रेंजों ने इसे निलंबित कर दिया, लेकिन 1925 में इसे फिर शुरू कर दिया गया। बाद में

और 1950 के दशक के मध्य में कई कार्बक्रमों, योजनाओं के शुरूआत की, जिसमें मध्याह्न भोजन योजना भी शामिल थी। इसके तत्काल फायदे मिले, बच्चों के नामांकन में बढ़ि हुई, कक्षा में उपस्थिति में सुधार हुआ और बीच में ही स्कूली शिक्षा छोड़ने वालों की संख्या घट गई। बाद के सभी मुख्यमंत्रियों ने इस योजना में सुधार किये। अब स्टालिन ने नाश्ते की शुरूआत कर योजना का विस्तार किया है। यह सब जानते हैं कि नाश्ता, दिन का पहला भोजन, भारी होना चाहिए, लेकिन गरीब बच्चे खाली पेट कक्षाओं में पहुंचते हैं पिछले दिनों एक स्कूल भ्रमण के दौरान स्टालिन ने इस योजना विस्तार के बारे में सोचा। मुख्यमंत्री ने एक बच्चे से पूछा था, ‘क्या तुमने नाश्ता किया है?’ बच्चे ने इनकार कर दिया, तब शिक्षकों ने बताया कि अधिकांश गरीब बच्चे खाली पेट ही आते हैं और मिल डे मील के रूप में अपना पहला भोजन लेते हैं। अब यह योजना राज्य भर में 1,500 से ज्यादा स्कूलों में शुरू हो गई है, जिससे एक लाख से अधिक प्राथमिक कक्षा के बच्चों को लाभ हो रहा है। नाश्ते की कीमत लगभग 12.75 रुपये है। मध्याह्न भोजन से बच्चों को 553 कैलोरी और 18 ग्राम प्रोटीन मिल रहा है। नाश्ते की योजना से उसमें 293 कैलोरी और 9 से 10 ग्राम प्रोटीन जोड़ा गया है। केंद्रीय रेस्टरी ने 150-200 हैरें

और 12-20 ग्राम प्रोटीन के साथ भोजन मिलना चाहिए। कई अध्ययनों से पता चला है कि स्कूलों में भोजन का प्रावधान छात्रों की सीखने की क्षमता को भी बढ़ाता है। देश भर में 12 करोड़ बच्चों को लाख पहुंचाने वाली इस योजना के लिए केंद्र धन देता है और भारत दुनिया में सबसे बड़ा मुफ्त स्कूल भोजन योजना चलाता है। शोधों से पता चला है कि गरीबों के बीच मुफ्त भोजन योजना का विस्तार लाखों युवाओं के विकास की संभावनाओं को बल दे सकता है। वैसे एक अन्य पहलू इसका खराक क्रियान्वयन है। बिहार में 2013 में 23 बच्चों की मौत हो गई थी, उन्हें कीटनाशक युक्त भोजन दिया गया था। तब पूरे देश में रोष और सदमे की लहर दौड़ गई थी। बेशक, भोजन की गुणवत्ता चिंता पैदा करती है। इसलिए स्टालिन ने राज्य में स्कूल प्रबंधन को सलाह दी है कि वे बच्चों की 'खूब देखभाल' करें वे उन्हें 'अपना' मानें। उन्होंने बच्चों से कहा है, 'शिक्षा ही एकमात्र ऐसी संपत्ति है, जिसे कोई आपसे छीन नहीं सकता है, इसलिए आपको बिना किसी चिंता के पढ़ाई करनी चाहिए और मैं यहां आपकी मदद के लिए हाजिर हूँ।' निगरानी और सुधार की लगातार कोशिशों का ही सुफल है कि 2020 के सर्वेक्षण के अनुसार, तमिलनाडु मध्याह्न भोजन योजना पर खर्च के मामले में देश में पहले स्थान पर है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

■ एस श्रीनिवासन

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेडमा, मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेडमा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्धन बजाज द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं-13। प्रधान संपादक : सुशे
बजाज, संपादक : हर्षवर्धन बजाज, स्थानीय संपादक : अमेर प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, Ph. 0651-2283384/Fax 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-LF, तापसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेरी, मेन रोड, लातेहार-829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लौहदगा

बाबूलाल ने फिर लगाया सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप

रांची। भारतीय विधायक दल के नेता बाबूलाल मराणी ने एक बार फिर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए सरकार को घोरा है। श्री मराणी ने टर्वी कर कहा इस पहले रविवार के बदले स्कूलों में शुक्रवार जुम्मे की छुटी, फिर हाथ जड़कर प्रार्थना की पढ़ती कों बाद करवाना और अब पालमू जैसा 49 सामान्य स्कूलों को शिक्षकों से अपने मास से उत्तर स्कूल के नाम से ही बैठने निर्गत करती रही है हाथ सब कुछ सुनिर्भावित तरीके से हमें सारें की तुष्टिकरण की जिहादी मानसिकता की सरकार में दूरगामी लक्ष्य को ध्यान में रख कर किया जा रहा है। यह काँई संयोग नहीं बत्तिए एक ऐसा प्रयोग है जिसमें झारखंड और झारखंड के मूलवासी, आदिवासी—गैर आदिवासी का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा।

विश्व हृदय दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित

रांची। विश्व हृदय दिवस पर झारखंड में 29 सितंबर को कई कार्यक्रम हुए। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने विश्व हृदय दिवस पर आयोजित मेराठन दोड को स्विस स्थित राजेन्द्र पार्क से हरी झांडी दिखा कर रवाना किया। वे इस दौड़ में खुद भी शामिल हुए। वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर रिस्म में आयोजित कार्यक्रम को संवेदित करते हुए श्री गुप्ता ने लोगों से अपने दिल का ध्यान रखने का आग्रह किया। हृदय रोगों से बचाव के लिए उन्होंने नियमित ध्यान देने के साथ अच्छे खानपान पर भी जोर दिया।

राष्ट्रीय नवीन गेल

राजधानी

डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार 30 सितम्बर 2022

11

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिलास्तरीय सङ्क सुरक्षा समिति की बौठक आयोजित

सभी सीओ को हिट एंड रन के मानलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। गुरुवार को उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सङ्क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। समाहरणलाल ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में माननीय सांसद महुआ माजी, विधायक नवीन जात्रवाल, समरोलाल, उत्तरविकास आयुक्त रांची विशाल सागर, जिला परिवर्तन पदाधिकारी प्रवीन प्रकाश, ट्रैफिक डीप्रेसों जीतवाहन उत्तरव, विधायकों के प्रतिनिधिगण एवं अन्य संवेदित पदाधिकारी उपसंस्थित थे। बैठक में हिट एंड रन के मामलों की समीक्षा करते हुए जिले के सभी अंचल अधिकारियों को इससे संबंधित एवं अन्य संवेदित पदाधिकारी उपसंस्थित थे। बैठक में हिट एंड रन, आवाराएँ ऐप्टेल पर एक्सीडेंट डिटेल अपलोड करने, रोड सेफ्टी एवं एक्स्युमेंट के संबंध में एसवीडी गन को चिन्हित स्थानों पर चालू करने, स्कूल बर्दों की ओर स्पीडिंग, तिलात ओवरब्रिज के सर्विस रोड पर गड्ढों को भरने, हांडी चौक एवं एक्सलदली चौक पर कार्य करने, ग्रामीण क्षेत्रों में हेलिमेट चेकिंग, काठीटांड, रातू चौक



पर कार्य करने, कांटाटोली चौक पर ट्रैफिक डायवर्सन एवं फ्लाई ऑर्वर निर्माण के संबंध में समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान उपायुक्त श्री गुहुल कुमार सिंह ने हिट एंड रन के मामलों की समीक्षा करते हुए जिले के सभी अंचल अधिकारियों को इससे संबंधित एवं अन्य संवेदित पदाधिकारी उपसंस्थित थे। बैठक में हिट एंड रन, आवाराएँ ऐप्टेल पर एक्सीडेंट डिटेल अपलोड करने, रोड सेफ्टी एवं एक्स्युमेंट के संबंध में एसवीडी गन को चिन्हित स्थानों पर चालू करने, स्कूल बर्दों की ओर स्पीडिंग, तिलात ओवरब्रिज के सर्विस रोड पर गड्ढों को भरने, हांडी चौक एवं एक्सलदली चौक पर कार्य करने, ग्रामीण क्षेत्रों में हेलिमेट चेकिंग, काठीटांड, रातू चौक

को दुरुस्त करने का सुझाव दिया। खेलमाव मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाने और मिशन चौक के गड्ढे भरने का निदेश एवं अवाराएँ ऐप्टेल के दौरान हाटिया विधायक श्री नवीन जात्रवाल ने सुझाव देते हुए कहा कि स्कूल बर्दों को बीच सङ्क से चलान काटा जाये। उनके द्वारा ट्रैफिक डीप्रेसों को चौक और आसपास की सड़कों पर चालायात दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में मोटरवाहन निरीक्षक अजय कुमार, स्वास्थ्य विधायक के कर्मी, सङ्क समांद महुआ माजी ने अरसीडी एवं जेंट्रेआरडीसीएप्टेल के अधिकारियों को दुर्गा पूजा के महेनजर शहर के सभी सङ्कों के गड्ढों

को दुरुस्त करने का सुझाव दिया। खेलमाव मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बनाने और मिशन चौक के गड्ढे भरने का निदेश एवं अवाराएँ ऐप्टेल के दौरान हाटिया विधायक श्री नवीन जात्रवाल ने सुझाव देते हुए कहा कि स्कूल बर्दों को बीच सङ्क पर खड़ा करने पर सख्ती से चलान काटा जाये। उनके द्वारा ट्रैफिक डीप्रेसों को चौक और आसपास की सड़कों पर चालायात दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में सांसद महुआ माजी ने अरसीडी एवं जेंट्रेआरडीसीएप्टेल के अधिकारियों को दुर्गा पूजा के महेनजर शहर के सभी सङ्कों के गड्ढों

पृष्ठ एक के शेष

कैबिनेट में 30 पस्तावों पर सहमति...

इसपर 33 कोरोड खर्च होगा। वहीं, जल संसाधन विधायक में पुरावास नीति को आले पांच सालों के लिए विस्तार दिया गया है। झारखंड विजली तिलात उपायोजन के बाक्य में भूगतान के लिए 2632 कोरोड का कर्ज दिया जायेगा। वहीं, झारखंड राज्य खनिज विकास लिमिटेड को बालू धार्टों के संचालन के लिए 16 अप्रस्त से तीन साल के लिए अवधि विस्तार की स्वीकृति मिश्रिंदल ने दी दी है।

मुख्यमंत्री की पहल : महिलाओं को...

इसमें संशोधन करते हुए अब अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और दुष्ट उपायोजन समिति के लिए 90 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लाभुओं के अंतिरिक अन्य सभी जातियों के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है। जबकि प्रारंभित कराया गया है।

मुख्यमंत्री की पहल : महिलाओं को...

इसमें संशोधन करते हुए अब अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और दुष्ट उपायोजन समिति के लिए 90 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जायेगा। वहीं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लाभुओं के अंतिरिक अन्य सभी जातियों के लिए 75 प्रतिशत अनुदान की उपलब्ध कराया गया है।

भारत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि वास्तव में वैश्विक अधिकारियों के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए अवधि विस्तार के लिए 2632 कोरोड का कर्ज दिया जायेगा। वहीं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लाभुओं के अंतिरिक अन्य सभी जातियों के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए एक बार फिर उठ रहा हुआ।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराएँ ऐप्टेल के लिए 75 प्रतिशत अनुदान निर्धारित किया गया है।

प्रतिशत एक बार फिर उठ रहा हुआ...

एक के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि विश्व हृदय दिवस पर नये आवाराए

